**वार्षिक पाठ्यक्रम योजना**
**सत्र 2020-21**
**विषय – संस्कृत**
**कक्षा – सातवी**
**अप्रैल – सितंबर**

**दूरदर्शिताः छात्राओं में संस्कृत भाषा के प्रति रूचि जागृत होगी तथा छात्राओं में संस्कृत वाचन व लेखन शक्ति का विकास होगा।**

| पाठ का ना | अभिनव शिक्षा शास्त्र/संक्रमण रणनीतियाँ | अध्ययन के परिणाम |
|---|---|---|
| 1. पाठ – 1 सुभाषितानि | श्लोकों का वाचन गायन व प्रस्तुतीकरण करना। लयपूर्वक श्लोकों का उच्चारण करना। पाठ का शीर्षक 'सुभाषित' शब्द का अर्थ स्पष्ट करना। आरोह अवरोह एवं लय के साथ भावपूर्ण श्लोकों का गायन करना। कविता के प्रत्येक श्लोक के भाव का स्पष्टीकरण करना छात्राओं को श्लोक गायन के लिए प्रेरित करना। ऑनलाइन कक्षा के माध्यम से छात्राओं को पाठ पढ़ाना। शिक्षण को प्रभावशाली तथा सुगम बनाने हेतु छात्राओं को पीपीटी सांझा करना। | छात्राएँ सुभाषित का अर्थ समझने में सक्षम होंगी। छात्राओं में श्लोकों के द्वारा नैतिक मूल्यों का विकास होगा। संधिविच्छेद का ाान प्राप्त करने में समर्थ होगी। विषय वस्तु में समाहित कठिन अंश का प्रश्न उत्तर द्वारा विश्लेषण कर छात्राओं की सहभागिता सुनिश्चित होगी। |
| 2. पाठ – 2 दुर्बुद्धि– विनश्यति | छात्राओं में श्रवण, वाचन व कौशल का विकास करना। छात्राओं में चिन्तन शक्ति का विकास करना। लृट् व लङ लकार का ज्ञान करवाना। क्त्वा व तुमुन प्रत्यय से अवगत कराना। शिक्षण के दौरान कुछ स्थानों पर स्क्रीन को सांझा करना। संधि विच्छेद का ज्ञान करवाना। कहानी से संबंधित छात्राओं से प्रश्न पूछ कर उनकी सहभागिता सुनिश्चित करना। शुद्ध एवं उच्च उच्चारण के साथ पाठ का वाचन छात्राओं के द्वारा करवाना। प्रत्येक गद्यांश का अर्थ स्पष्ट करना | इस पाठ के अंतर्गत छात्राएँ जानेंगी कि क्रोध व अविवेक के कारण किसी को भी हानि पहुँच सकती हे। पाठ में छात्राएँ स्म का प्रयोग भी सीखेगी। छात्राएँ जानेंगी कि जब वर्तमान काल की धातुओं के साथ स्म प्रयुक्त होता हे तब वे धातुएँ भूतकाल का अर्थ प्रकट करती हैं। |

| | | |
|---|---|---|
| 3. पाठ – 5<br>पण्डिता<br>रमाबाई | लङ लकार का ज्ञान करवाना। उपसर्ग का अर्थ स्पष्ट करते हुए शब्द से उपसर्ग पृथक करना सीखाना। पद परिचय द्वारा शब्द का लिंग, वचन धातुव लकार का बोध करवाना।<br>पण्डिता रमाबाई द्वारा नारियों की शिक्षा के लिए किए गए प्रयासों से छात्राओं को अवगत कराना। छात्राओं में ज्ञानात्मक शक्ति का विकास करना। शिक्षण को प्रभावशाली तथा सुगम बनाने हेतु छात्राओं को पीपीटी सांझा करना। | प्रस्तुत पाठ के द्वारा छात्राएँ पण्डिता रमाबाई के जीवनकाल से परिचित होगी। छात्राएँ जानेंगी कि वह केवल एक समाज सुधारक ही नहीं थी बल्कि वह एक प्रसिद्ध रचनाकार भी थी।<br>पाठ से नारीशक्ति के विषय से सम्बंधित जानकारी भी प्राप्त करेगी। |
| 4. पाठ – 6<br>सदाचार : | लय पूर्वक श्लोकों का उच्चारण करना। कठिन शब्दों को अर्थ स्पष्टीकरण करते हुए विषय स्पष्ट करना।<br>क्त्वा, ल्यप् प्रत्यय का स्पष्टीकरण करना। ऑनलाइन कक्षा के माध्यम से छात्राओं को पाठ पढ़ाना। छात्राओं को अच्छे व्यवहार व भद्र आचरण का महत्व समझाना।<br>संधि विच्छेद का ज्ञान करवाना। | विभिन्न उदाहरणों द्वारा छात्राओं में अच्छे व्यवहार के महत्व का प्रतिपादन होगा।<br>छात्राएँ विशेषण पदों का ज्ञान प्राप्त कर पाएँगी।<br>श्लोकों के माध्यम से छात्राओं में नेतिक मूल्यों का ज्ञान प्राप्त होगा। छात्राएँ श्लोकों का अन्वय करने में सक्षम होगी। |
| 5. शब्द रुपाणि नदी ,गुरु ,तत् स्त्रीलिंग | ईकारांत स्त्रीलिंग पुलिंग के शब्द रूप से छात्राओं को अवगत कराना।<br>शिक्षण के दौरान स्क्रीन शेयरिंग के द्वारा छात्राओं को विषय स्पष्ट करना। शिक्षण को प्रभावशाली बनाने हेतु छात्राओं को पीपीटी भेजना। शिक्षण के दौरान कुछ स्थानों पर स्क्रीन को सांझा करना। | छात्राएं शब्द रूप को समझने , ,लिखने पढ़ने और बोलने के लिए प्रेरित होंगी तथा उन्हें व्याकरण के नियमों की जानकारी होगी। छात्राओं में संस्कृत भाषा के प्रति रुचि उत्पन्न होगी। |
| 6. धातु रुपाणि गम् ,वद्,कृ और अस्् लट् लकार और लृट् लकार | पूर्व ज्ञान के आधार पर छात्राओं को विषय स्पष्ट करना।<br>धातु रूप से संबंधित प्रश्न पूछ कर छात्राओं की सहभागिता निश्चित करना। शिक्षण के दौरान कुछ स्थानों पर स्क्रीन को सांझा करना। | छात्राएं धातु रूप को समझने , ,लिखने पढ़ने और बोलने के लिए प्रेरित होंगी तथा उन्हें व्याकरण के नियमों की जानकारी होगी। छात्राओं में संस्कृत भाषा के प्रति रुचि उत्पन्न होगी। |
| 7.अव्यय पदानि | अव्यय का अर्थ स्पष्ट करना। अव्ययों का वाक्यों में प्रयोग करना सीखना। | इस पाठ के अंतर्गत छात्राएँ अव्ययों के अर्थ स्पष्टीकरण |

| | | |
|---|---|---|
| | छात्राओं को दो भागों में विभक्त करके अव्यय पदों व उसके विपरीत पदों का उच्चारण करवाकर गतिविधि करवाना। | के बाद उसका वाक्य में प्रयोग समझ पाएँगी। मिलान करना, अव्यय चुनना तथा वर्ग पहेली से अव्यय छाँटना आदि द्वारा छात्राएँ अव्ययों का अभ्यास करने मे समर्थ होंगी। |
| 8.अपठित गद्यांशः | गद्यांश का हिंदी भाषा में स्प्ष्टीकरण करना। छात्राओं को गद्यांश संबंधी नियमों से अवगत कराना। | अपठित गद्यांश का स्पष्टीकरण के पश्चात छात्रा उनके पदपदेन, पूर्णवाक्येन अदि प्रश्नों को हल कर पाएँगी। |

**अक्टूबर – मार्च**

| | | |
|---|---|---|
| **पाठ का नाम** | **अभिनव शिक्षा शास्त्र/संक्रमण रणनीतियाँ** | **अध्ययन के परिणाम** |
| 9.अहमपि विद्यालयं गमिष्यामि | संवाद विधि के द्वारा पाठ का स्पष्टीकरण करना।<br>गतिविधि मे छात्राओं से पाठ के आधार पर संवाद लिखवाना और उनका उच्चारण करते समय भावपूर्ण अभिनय करवाना।<br>संधि विच्छेद समान पद और विलोम शब्दों को स्पष्ट करना।<br>प्रत्यय और विशेषण- विशेष्य का स्पष्टीकरण करना। | प्रस्तुत पाठ के माध्यम से छात्राओं मैंबाल मजदूरी के विरोध में जन जागरूकता उत्पन्न होगी तथा छात्राएं शिक्षा के अधिकारों से अवगत होंगी। छात्राएं सरकार के द्वारा चलाई जा रही शिक्षा नीतियों से अवगत होंगी। |
| 10.विश्वबंधुत्व | कारक की विभक्ति व उप–पद विभक्ति का ज्ञान करवाना।<br>विश्वबंधुत्व का अर्थ स्पष्ट करना।<br>कठिन शब्दों को स्पष्टीकरण करते हुए विषय स्पष्ट करना।<br>समानार्थक शब्दों से परिचित करवाना। | प्रस्तुत पाठ के अंतर्गत छात्राएँ बंधुत्व की भावना से परिचित होगी। प्रकृति के उदाहरण द्वारा पाठ को स्पष्ट करने का प्रयास किया जाएगा।<br>छात्राओं को पाठ के शीर्षक से संबंधित गतिविधि करवाई जाएगी जिसके अंतर्गत प्रेम, मित्रता, घृणा, सहयोग, शत्रुता आदि शब्दों को अलग–अलग |

| | | |
|---|---|---|
| | | करने हेतु कहा जाएगा। इस प्रकार वह पाठ को अच्छे से समझ पाएगी। |
| 11.विद्याधनम् | लयपूर्वक छात्राओं को श्लोकों का उच्चारण करवाना। छात्राओं में विद्या के महत्व को स्पष्ट करना।<br>संधि विच्छेद द्वारा कठिन शब्दों को विभाजित करके उनका अर्थ स्पष्ट करना। विभिन्न उदाहरणों द्वारा विद्या का महत्व स्पष्ट करना। | प्रस्तुत पाठ द्वारा छात्राएँ जान पाएँगी कि विद्या धन से भी बढ़कर महत्वपूर्ण है। विद्या की तुलना कामधेनु गाय से की गई है।<br>छात्राएँ जान पाएँगी कि विद्या रूपी धन ऐसा धन है जो कभी भी खत्म नही होता। |
| 12.अनारिकायाः जिज्ञासा | ऋकारांत पुल्लिंग का अर्थ स्पष्ट करना। छात्राओं को शुद्ध उच्चारण का शिक्षण देना।<br>कथावाचन, पाठन व लेखन में छात्राओं की रूचि बढ़ाना। लेखन के अनन्तर प्रश्नोत्तर की विधा से विषय को स्पष्ट करना। | छात्राएँ कथा के माध्यम से अनारिका के प्रश्नों से अवगत होंगी। पाठ में आए अव्यय पदों के द्वारा छात्राएँ वाक्य निर्माण करने में सक्षम होंगी। अभ्यास कार्य के द्वारा ऋकारांत का ज्ञान प्राप्त करने में समर्थ होंगी। |
| 13.व्याकरण–<br>शब्द रूप<br>एतत् स्त्रीलिंग<br>मातृ ऋकारांत<br>साधु उकारांत<br><br>धातु रूप ( लोट लकार लङ)<br>प्रत्यय (क्त्वा)<br><br>अपठित गद्यांश<br>पर्याया: विपर्याया: च<br>पत्र लेखन | पुल्लिंग व स्त्रीलिंग के शब्द रूपों का प्रत्ययों द्वारा स्पष्टीकरण करना। स्मार्ट बोर्ड की सहायता से विषय स्पष्टीकरण करना। लोट लकार लङ् लकार का कर्ता के साथ प्रयोग स्पष्ट करना। क्त्वा प्रत्यय के नियमों से छात्राओं को अवगत कराना। अपठित गद्यांश के नियमों का स्पष्टीकरण करना। छात्राओं के शब्द भंडार में वृद्धि करना तथा उनकी वर्तनी संबंधी अशुद्धियों को दूर करना। पर्यायवाची तथा विलोम शब्द में अंतर स्पष्ट करना। छात्राओं में लेखन कौशल का विकास करना छात्राओं की कल्पना शक्ति का विकास करना स्वतंत्र अभिव्यक्ति का विकास करना सृजनात्मकता एवं तार्किकता का विकास करना | शब्द रूप व धातु रूप का पूर्व ज्ञान होने के कारण छात्राएँ क्रिया के साथ उवका प्रयोग करना सीखेंगी। छात्राएँ अव्यय के अंतर्गत अर्थ स्पष्टीकरण के बाद अव्ययों का वाक्यों में प्रयोग करना सीखेगी। क्त्वा प्रत्यय के अंतर्गत नियमों से परिचित होने के बाद क्त्वा का प्रयोग करने में समर्थ होगी। अपठित गद्यांश के अंतर्गत एक वाक्य, पूर्ण वाक्य व गद्यानुसार प्रश्नों के उत्तर देने के समर्थ होंगी। छात्राओं में संस्कृत भाषा के प्रति रुचि उत्पन्न होंगी।वे अपने भावों को स्पष्ट करने में समर्थ होंगी तथा संस्कृत भाषा को शुद्ध रूप में लिखने और बोलने के लिए प्रेरित होंगी। |